नव सौ नव सौ बैल घर में संत रविदास राजस्थानी भजन

नव सौ नव सौ बैल घर घर में,
ए घोडा किन रा बांधिया हो।bd।

श्लोक – भक्त बिज पलटे नही,
जो जुग जाए एकांत,
ऊँच नीच घर अवतारे,
वो रहे संत रो संत।

नव सौ नव सौ बैल घर घर में,
ए घोडा किन रा बांधिया हो,
राणा रा तांगा कहिजे बैल मीरा,
घर घर में ए घोडा वही बांधिया हो।bd।

रमे खेले ने घरे आव मीरा,
राणोजी आया है थाने लेवन ने हो,
कुन तो राणो ने कुन है राम,
जुग में किन रे राजा रा कहिजे दिकरा हो।bd।

हस ने मुलखेनी मीठी बोल मीरा,
ओछी उम्र में थोड़ो जीवनो जी,
जोगण हो जाऊं जग रे माय,
राणा गूथ लावुला हरी रा सेवरा हो जी।bd।

बांधो गलेरे नवसर हार मीरा,
सुडला पेरो थी हस्थी दाँत रा हो जी,
सुडला थारी रानी ने पेराव राणा,
मीरा पेरेला हरी रा लुंगड़ा हो जी,
तटके तोड़ू नवसर हार राणा,
गढ़ री सीखा सु तोड़ू सुडला हो जी।bd।

रविदास दीना है उपदेश राणा,
साधू दिया है हरी रा लुंगड़ा हो जी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओशी समारा वाली जात मीरा,
मुया ढोरारा काटे सांबड़ा हो जी।bd।

रविदास कहिजे मायड़ बाप राणा,
मेतो संतो रे पग री मोजड़ी हो जी,
गावे गावे मीरा बाई आप भाईडा,
गुरु रविदास ज्याने भेटिया हो जी।bd।

नव सौ नव सौ बैल घर घर मे,
ए घोडा किन रा बांधिया हो,
राणा रा तांगा कहिजे बैल मीरा,
घर घर में ए घोडा वही बांधिया हो।bd।

“श्रवण सिंह राजपुरोहित द्वारा प्रेषित”
सम्पर्क : +91 9096558244

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com